Title: Need to take over of Thermal Power Plants by N.T.P.C. Chandrapur/Maharashtra to run to its optimum potential.

अध्यक्ष महोदया : श्री हंसराज अहीर जी, आपने दो विषय दिये हैं, किसी एक पर बोलिये। किस विषय पर बोलेंगे?

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): मैं विद्युत पर बोलूँगा।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

श्री हंसराज गं. अहीर : महोदया, हमारे देश में बिजली की कमी सभी राज्यों में है लेकिन महाराष्ट्र में बिजली की सर्वाधिक कमी है। महाराष्ट्र में 6500 मैगावाट बिजली की कमी होने की वजह से वहाँ के अनेक क्षेत्र इससे प्रभावित हुए हैं जिनमें कृषि है, उद्योग है, शिक्षा क्षेत्र है, स्वास्थ्य क्षेत्र है और बेरोज़गारी भी इससे बढ़ी है। बार-बार जनप्रतिनिधि और राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार से अधिक बिजली मांगने का प्रयास भी किया लेकिन यह सब होते हुए भी एक गंभीर मामला हमारे सामने आया है। महाराष्ट्र में करीब करीब आठ बिजलीघरों में 9000 मैगावाट बिजली बनाने की क्षमता है है। उनमें सिर्फ 5000 मैगावाट बिजली ही बन पा रही है। इसका कारण यदि कुछ है तो महाराष्ट्र सरकार का बिजली बोर्ड, महाराष्ट्र सरकार के संबंधित मंत्री और मुख्य मंत्री, इन बिजलीघरों को न्याय नहीं दे पा रहे हैं। इस कारण महाराष्ट्र की जनता में बेरोज़गारी बढ़ी है और कृषि-उत्पादन प्रभावित हुआ है, उद्योग प्रभावित हुए हैं। इसकी तरफ सरकार अनदेखी कर रही है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहूँगा कि जितने भी बिजलीघर चलते हैं, सब केन्द्र सरकार की मदद से चलते हैं। केन्द्र सरकार का कोयला मंत्रालय कोयले की आपूर्ति करता है और सभी पावर प्लांट्स में कोयले का स्टाक भरा पड़ा है। यह सब होते हुए भी बिजली कम उत्पादन होने का कारण यह है कि महाराष्ट्र में जो सरकार है, वह मिली-जुली सरकार है, महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री कांग्रेस पार्टी के हैं और ऊर्जा मंत्री एनसीपी के हैं। इन दोनों के झगड़े में सभी पावर प्लांट्स में बिजली का उत्पादन कम हो रहा है। मैं कहना चाहूँगा कि केन्द्र सरकार की मदद से जो पावर प्लांट्स चलते हैं उनका काम ठीक न होने से महाराष्ट्र की जनता और देश की जनता प्रताड़ित है। वहाँ के लोग चिन्तित हैं। इनको पूरी बिजली मिलने के लिए केन्द्र सरकार यह सुनिश्चित करे कि ये पावर प्लांट्स अपनी पूरी क्षमता से चलें। मैं विनती करूँगा कि इस देश में चन्द्रपुर में इस देश का सबसे बड़ा पावर प्लांट है जहाँ 2340 मैगावाट बिजली बनाने की क्षमता है। वहाँ के लिए मैंने जानकारी मांगी तो 1200 मैगावाट बिजली वहाँ प्रतिदिन बनती है जबकि 2340 मैगावाट की क्षमता है। सरकार इसको पूरी तरह से चलाने में अक्षम है। यह मुख्य मंत्री और मंत्री की ओर से उपेक्षा हो रही है ...* इसको ध्यान में रखते हुए जो महाराष्ट्र का बिजली बोर्ड है, वह अपनी लापरवाही से और भ्रष्ट नीति से पावर प्लांट को सही नहीं चला पा रहा है।

अध्यक्ष महोदया : आपने अनपार्लियामैंट्री शब्द का इस्तेमाल किया है। Please delete it.

श्री हंसराज गं. अहीर : महाराष्ट्र की जनता पीड़ित है। इनको बिजली देने की मांग मैं संसद में रख रहा हूँ। मैं केन्द्र सरकार से और विद्युत मंत्री से निवेदन करना चाहता हूँ कि यह पावर प्लांट केन्द्र द्वारा चलाने हेतु टेकओवर करें, अपने कब्ज़े में लें और केन्द्र सरकार के एनटीपीसी द्वारा चन्द्रपुर पावर स्टेशन को चलाया जाए, यह विनती मैं करता हूँ।

MADAM SPEAKER: Shri Vishwa Mohan Kumar − Not present.

Shri Suresh Kumar Shetkar − Not present.